[This question paper contains 03 printed pages]

Roll Number: _____

HPAS (Main) Examination-2018

PHILOSOPHY-I

Time: 3 Hours | Maximum Marks: 100

निर्धारित समय : तीन घंटे | अधिकतम अंक: 100

Note:

1. This question paper contains eight questions. Attempt total five questions including question No.1 which is compulsory.

2. Each question carries equal marks. Marks are divided and indicated against each part of the question.

3. Write legibly. Each part of the question must be answered in sequence in the same continuation.

4. If questions are attempted in excess of the prescribed number only questions attempted first up to the prescribed number shall be valued and the remaining answers will be ignored.

ध्यान दें :

1. इस प्रश्न पत्र में आठ प्रश्न हैं। प्रश्न संख्या 1 (जो अनिवार्य है) सहित कुल पांच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

2. प्रत्येक प्रश्न के समान अंक हैं। अंको को प्रश्न के प्रत्येक भाग के विरुद्ध विभाजित और इंगित किया गया है।

3. स्पष्ट रूप से लिखें। प्रश्न के प्रत्येक भाग को उसी क्रम में क्रम से उत्तर दिया जाना चाहिए।

4. यदि प्रश्नों को निर्धारित संख्या से अधिक करने का प्रयास किया जाता है, तो केवल निर्धारित संख्या तक पहले किए गए प्रश्नों का मूल्यांकन किया जाएगा और शेष उत्तरों को नजरअंदाज किया जाएगा।

1. Write short notes on the following:-

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिपणी लिखिए:-

(i) Pragabhavapratiyogi (05)

प्रागभावप्रतियोगी

(ii) Cogito ergo sum (05)

कोजिटो अर्गो सम

(iii) Visvanatha's definition of Perception (05)

विश्वनाथ प्रदत्त प्रत्यक्ष की परिभाषा

(iv) Doctrine of Pre-established harmony (05)

पूर्व-स्थापित सामंजस्य के सिद्धांत

2. How is the Buddhist theory of Dependent origination related with the theory of No-soul and Momentariness? (20)

बौद्ध प्रतीत्यसमुत्पाद सिद्धांत किस प्रकार नैरात्म्यवाद एवं क्षणिकवाद से सम्बद्ध है?

3. Critically discuss Ramanuja's seven-fold refutation of Maya. (20)

रामानुज प्रदत माया की सप्तविध अनुपपत्ति की आलोचनात्मक व्याख्या करें।

4. Discuss possibility of universally valid scientific knowledge in the light of Kant's philosophy. (20)

कांट के दर्शन के आलोक में सार्वभौमिक रूप से वैध वैज्ञानिक ज्ञान के संभावना की विवेचना करें।

5. Critically evaluate Hume's theory of causality in the light of observed order in the world. (20)

विश्व में दृष्ट व्यवस्था के आलोक में ह्यूम के कारणता सिद्धांत का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।

6. Discuss the basic rules of the validity of categorical syllogism and its related fallacies. (20)

निरुपाधिक न्यायवाक्य की वैधता के मूलभूत नियमों एवं तत्सम्बन्धी हेत्वाभासों की विवेचना करें।

7. Discuss the constituents of Inference, according to Nyaya philosophy. Compare it with western syllogism. (20)

न्याय दर्शन के अनुसार अनुमान के अवयवों की विवेचना करें। इसकी तुलना पाश्चात्य न्यायवाक्य से करें।

8. Critically compare the Non-dualism of Sankara and Vivekananda. (20)

शंकर और विवेकानंद के अद्वैतवाद की आलोचनात्मक तुलना करें।